

- c. अनु *i. q. simpl.* RAM. II. 55. 21.: अनुसुदन्ति; NALOD. 3. 32.: अनुसुदः.
- c. प्र *id.* N. 17. 31. 22. 30.: प्ररुदित flens. BR. 3. 21.: प्ररुदितान् सर्वान् निशम्य.
- रुद्र *m.* (r. रुद्र s. र) 1) cognomen *Sivi*. 2) quidam ordo undecim Geniorum. IN. 5. 24. N. 10. 24.
1. रुध् 7. P. A. रुणधिम रुन्धे. 1) impedire, praeccludere, retinere, obstruere. BH. 4. 29.: प्राणापानगती रुद्धा; RAGH. 7. 32.: ताम् उद्धन्तम् पथि भोजकन्यां श्लेघराजन्याणां; UR. 68. 1.: इदं रुणधि माम् पद्मम्. 2) arcere. R. Schl. I. 28. 22.: यक्षीम् अश्मवर्षाभिवर्षिणीम् ... श्लेघ स सायकैः. 3) includere. MAN. 9. 12.: गृहे रुद्धाः. Obsidere. MAH. 3. 638.: अरुन्धत् तां (पुरीं) सु-उष्टात्मा सर्वतः. (De formā अरुन्धत् pro अरुणात् v. gramm. min. ed. 2. §. 341^b). — Caus. includi jubere. RAGH. 12. 71.: लङ्कां श्लेघयामास पिङ्गलैः (वानरैः). — (Fortasse hib. *rundha* «secret, mysterious» a रुन्ध्, sicut lat. *arcanus* ab *arcendo*; *rundhachd* «secrecy», *ruindiamhar* «a mystery, a dark secret», *ruine* «secrecy» abjecto *d*; goth. *runa* mysterium. Germ. vet. *rūnēn* susurrare - nostrum *raunen* - *rūnazjan* mussitare ad *rū* sonare referri possunt. Ag. Benary huc trahit lat. *rudens*, Röm. Lautlehre p. 223.
- c. अनु impedire, retinere. SAK. 151. 1.: अयम् अनुसुधमानस् तापसीभ्याम् ... बालः.
- c. अभि perturbare. SAK. 33. 3.: यथाच सैनिकासु तपोवनम् ना भिरुन्धन्ति.
- c. अव impedire, cohibere, refrenare. R. Schl. II. 30. 9.: यस्यचा 'र्ये ऽवरुध्यसे; MAN. 8. 236. — Intens. R. Schl. II. 58. 20.: मा स्मै 'नम् अवरोरुधः.
- c. आ *id.* BHATT. 17. 49.: बन्धुता शुचम् आरुणात्. — Caus. impedire, incommodare, molestum esse, perturbare. R. Schl. II. 96. 40.: काकीना "श्लेघयमानान् तां रामो ऽवाहसत्.
- c. उप impedire, incommodare, perturbare. MAN. 8. 348.: धर्मो यत्रो 'परुध्यते; RAM. Schl. II. 36. 14.: अनार्ये कृत्यम् आरब्धञ्च किन् न पूर्वम् उपारुधः; MAN. 7. 125.:

उपरुध्या 'रिम्. Arcere, praeccludere. RAGH. 7. 36.: रेणुः ... उपरुधे सूर्यम्.

- c. नि 1) impedire, retinere. UP. 34.: यावत् किञ्चिद् गता तावन् निरुद्धा सा पुरोधसा. 2) praeccludere, obstruere, *e. c. viam*. BHATT. 17. 49. 3) coërcere, refrenare, comprimere. HIT. 34. 1.: निजसौख्यन् निरुन्धानः; MAH. 3. 13633.: निरुध्यचे 'न्द्रियग्रामम्. 4) includere. MAN. 11. 1176.: विप्रदुष्टां स्त्रियम् भर्ता निरुन्ध्याद् एकवेशमनि.
- c. नि praef. सम् retinere, inhibere, sistere. MAN. 8. 83.: सा सद्यः सन्निरोद्धव्या.
- c. प्रति impedire. MAN. 11. 11.
- c. वि impedire, retinere, prohibere. MAH. 2. 227.: कञ्चित् पौरा न ... विरुध्यन्ते पुरैः क्रीताः; R. Schl. II. 36. 10.: स्वरश्चा 'पि व्यरुध्यत. — विरुद्ध impeditus, prohibitus, vetitus. R. Schl. I. 7. 8.: परस्परं विरुद्धाः; MAN. 7. 152.: परस्परविरुद्धानाम्; BH. 7. 11.: धर्माविरुद्धो भूतेषु कामो ऽस्मि.
- c. सम् *i. q. simpl.* N. 13. 10.: मार्गं संरुध्य; SA. 5. 82.: माता संरुणाधि माम्; MAH. 3. 13633.: मनः संरुध्य; MAN. 8. 235.: अज्ञाविके तु संरुद्धे वकैः (schol. परिवृते).
- c. अभि praef. सम् arcere. R. Schl. II. 14. 12.
2. रुध् 4. A. interdum P. (primitive Pass. praecedentis, v. gr. 492. annot.)
- c. अनु amare. DR. 4. 18.: पार्थिवान् ना 'नुरोडन् त्वम् अर्हसि; MAH. 3. 13891.: दोषान् ना 'नुरुध्यते; N. 4. 10.: धर्मम् एवा 'नुरुध्यन्ति; MAH. 4. 492.: भर्तारम् अनु-रुध्यन्त्यः.
- रुधिर *n.* (r. रुद्र crescere - servato primitivo ध् pro ह्, v. gr. 315. et cf. रोहित ruber - suff. इर) sanguis. H. 2. 11. (रुधिर *n.* a perduto Adj. रुधिर ruber, cf. रोहित e रोधित, gr. *ῥ-ρु-ῥός*, lat. *ruber*, cujus *b* pro *f* - v. gr. comp. 18. - respondet scito ध्, graeco *ῥ*, sicut in *fumus* = धूम, q. v.; radice etiam huc pertinent lat. *rufus*; lith. *raudà* color ruber, *raudónas* ruber, *ruddas* subruber, *rudis* rubigo, aerugo; slav. vet. *rd-je-ti* rubescere, *rysch-dj* *πυρρός*, *rschda* rubigo in segetibus (Miklosich p. 75);